(11) नवादा — बिहार के नवादा में 14 गुफाओं में चित्र मिले हैं, ये गुफाएँ 40 कि० मी० के क्षेत्र में फैली हैं। यहाँ मनुष्य, पशु और शिकार के चित्र हैं। इनका समय 6000 ई० पू० से 3000 ई० पू० तक माना जाता है। यह कदाचित् प्रागैतिहासिक काल के प्राचीनतम ~~चि~~ चित्र हैं।

(ब) सिंधु घाटी की कला (4000 ई० पू० से 3000 ई० पू० तक) — सिंधु घाटी और रावी नदी के तट पर अनेक नगर मिले, जिनमें मोहन जोदड़ो और हड़प्पा प्रमुख हैं। पंजाब में रोपड़ और गुजरात में लोथल में भी उसी काल के अवशेष मिले हैं। यह ~~सभ्य~~ सभ्यता चीन से लेकर मध्य एशिया और संपूर्ण भारत में फैली थी

(स) जोगीमारा गुफा — यह गुफा मध्य प्रदेश की सरगुजा रियासत में स्थित है। इनमें की गई चित्रकारी अजंता और बौद्ध गुफाओं से पहले की है।

नर्मदा नदी के किनारे रमगढ़ की पहाड़ि पहाड़ियों मे स्थित यह एक प्राकृतिक गुफा है जिसके निकट तीन गुफाएँ सीता बेंगड़ा, सीता लाहड़ा तथा लक्ष्मण बेंगड़ा है। इनकी छतों पर सफेद पृष्ठभूमि में लाल व काले रंग की सीमाओं से चित्र बने हैं। चित्रों में मनुष्य, पशु, पक्षी, बगीचे एवं नृत्य का परिदृश्य है।

(५) बौद्धकालीन कला (50 ई० से 700 ई० तक)
बौद्ध काल को भारतीय कला का स्वर्णयुग कहा जाता है। भित्ति चित्रों की इतनी अधिक संख्या अन्यत्र कहीं नहीं मिलती है। बौद्ध चित्र शैली के मुख्य तीन स्थल पाए जाते हैं— अजंता की गुफाएं, बाघ की गुफाएँ और सिंगीरिया की गुफाएँ।

(1) अजंता की गुफाएँ — महाराष्ट्र में औरंगाबाद से 68 कि०मी० दूर तथा पहूर से 8 मील की दूरी पर ऊँची पहाड़ियों में अजंता की गुफाएँ है